



रक्षा मंत्रालय

प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान, शहीद हुए भारतीय सेना के दो सैनिकों का अंतिम संस्कार समारोह फ्रांस के ला जार्ज, सैन्य कब्रिस्तान में 12 नवम्बर को मनाया जाएगा

Posted On: 11 NOV 2017 3:55PM by PIB Delhi

20 सितंबर, 2016 को पेरिस से लगभग 230 किमी की दूरी पर लेवेन्टी सैन्य कब्रिस्तान के निकट, रिचबोर्ग गांव की दक्षिण दिशा की ओर, उत्खनन कार्य के दौरान दो मानव अवशेष पाए गए। उनके सामान की जांच करने पर, उनकी पहचान 39वें रॉयल गढ़वाल रायफलस के हताहतों के रूप में हुई। राष्ट्रमंडल युद्ध कब्र आयोग (सीडब्ल्यूडब्ल्यूजीसी) के कार्यालय ने फ्रांस सरकार और फ्रांस में भारतीय दूतावास से परामर्श करके, इन भारतीय सैनिकों का अंतिम संस्कार समारोह, लेवेन्टी सैन्य कब्रिस्तान में, पूरे सैनिक सम्मान के साथ करने का निर्णय लिया है। इस समारोह में भाग लेने के लिये भारतीय सेना की ओर से गढ़वाल रायफलस रेजीमेन्टल केन्द्र के कमान्डेन्ट, गढ़वाल रायफलस रेजीमेन्टल पाइप बैंड के दो बेगपाइपर्स (मशकवादक), और फैस्ट्रबर्ट के युद्ध के बहादुर नायक स्वर्गीय नायक दरवान सिंह नेगी, विक्टोरिया क्रॉस के पौत्र कर्नल नीतिन नेगी को मनोनीत किया गया है। इसी क्रम में, शहीद सैनिकों की कब्र की मिट्टी को उनकी गृह भूमि पर वापस लाया जाएगा।

प्रथम/39वीं और द्वितीय/39वीं रॉयल गढ़वाल रायफलस की गढ़वाल ब्रिगेड ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस और फ़्लैंडर्स की उन खतरनाक खाइयों में अपूर्व शौर्य का प्रदर्शन किया था। ब्रिटिश और भारतीय सैन्या ने कंधे से कंधा मिलाकर यह लड़ाई लड़ी और अपना कर्तव्य निभाते हुए शहादत पाई। गढ़वाल ब्रिगेड ने फ्रांस और फ़्लैंडर्स थियेटर में 6 युद्ध सम्मान और दो विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त किये।

इस पवित्र अवसर पर, भारतीय सेना प्रमुख, भारतीय सेना की ओर से ब्रिगेडियर इन्द्रजीत चटर्जी और गढ़वाल रायफलस रेजीमेन्टल केन्द्र के कमान्डेन्ट और सूबेदार मेजर त्रिलोक सिंह नेगी द्वारा भारतीय मेरठ डिवीजन के शहीदों को नुवे चैपेल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

वीएल/पीकेए/एनके - 5400

(Release ID: 1509055) Visitor Counter : 11

